

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ ءَامَنُوا إِذَا نَجَّيْتُمُ الرُّسُولَ وَ قَدِّمُوا بَيْنَ يَدَيْ نَجْوَدَ كُمْ

kalian	pembicaraan	rahasia	tangan	diantara	dahulukan	maka	rasul	kalian	menyelamatkan	apabila	(mereka)	beriman	orang-orang	yang	Wahai
--------	-------------	---------	--------	----------	-----------	------	-------	--------	---------------	---------	----------	---------	-------------	------	-------

صَدَقَةً ذَٰلِكَ خَيْرٌ لَّكُمْ وَ أَطْهَرُ ؕ وَ إِن لَّمْ تَجِدُوا وَ إِنَّا لِلَّهِ غُفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿١٢﴾

12	Maha	Penyayang	Maha	Pengampun	Allah	benar	maka	(kalian)	mendapatkan	tidak	jika	maka	lebih	bersih	dan	kalian	bagi	lebih	baik	itu	sedekah
----	------	-----------	------	-----------	-------	-------	------	----------	-------------	-------	------	------	-------	--------	-----	--------	------	-------	------	-----	---------

ءَ أَشْفَقْتُمْ أَن تُقَدِّمُوا بَيْنَ يَدَيْ نَجْوَدَ كُمْ صَدَقْتِ ؕ وَ إِذْ لَمْ تَفْعَلُوا

(kalian)	mengerjakan	tidak	jika	maka	sedekah-sedekah	kalian	pembicaraan	rahasia	tangan	diantara	(kalian)	mendahulukan	bahwa	kalian	takut	Apakah
----------	-------------	-------	------	------	-----------------	--------	-------------	---------	--------	----------	----------	--------------	-------	--------	-------	--------

وَ تَابَ اللَّهُ عَلَيْكُمْ وَ أَقِيمُوا الصَّلَاةَ وَ ءَاتُوا الزَّكَاةَ وَ أَطِيعُوا اللَّهَ

Allah	(kalian)	patuhlah	kepada	dan	zakat	(kalian)	berikanlah	(tunaikan)	dan	sholat	(kalian)	tegakkanlah	maka	kalian	atas	Allah	(Dia)	menerima	taubat	dan
-------	----------	----------	--------	-----	-------	----------	------------	------------	-----	--------	----------	-------------	------	--------	------	-------	-------	----------	--------	-----

وَ رَسُولَهُ ؕ وَ اللَّهُ خَبِيرٌ بِمَا تَعْمَلُونَ ﴿١٣﴾ أَمْ لَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ تَوَلَّوْا

(mereka)	mengambil	sebagai	teman/pelindung	orang-orang	yang	kepada	(engkau)	perhatikan	tidak	apakah	13	(kalian)	kerjakan	apa	pada	Maha	Mengetahui	Allah	dan	Nya	utusan	dan
----------	-----------	---------	-----------------	-------------	------	--------	----------	------------	-------	--------	----	----------	----------	-----	------	------	------------	-------	-----	-----	--------	-----

قَوْمًا غَضِبَ اللَّهُ عَلَيْهِمْ مَا هُمْ مِنْكُمْ وَ لَا مِنْهُمْ وَ يَخْلِفُونَ عَلَى الْكُذْبِ

kebohongan	di	atas	(mereka)	bersumpah	dan	mereka	termasuk	tidak	dan	kalian	termasuk	mereka	bukanlah	mereka	atas	Allah	(Dia)	memurkai	suatu	kaum
------------	----	------	----------	-----------	-----	--------	----------	-------	-----	--------	----------	--------	----------	--------	------	-------	-------	----------	-------	------

وَ هُمْ يَعْلَمُونَ ﴿١٤﴾ أَعَدَّ اللَّهُ لَهُمْ عَذَابًا شَدِيدًا ؕ إِنَّهُمْ سَاءَ مَا كَانُوا

adalah	mereka	apa	amat	buruk	mereka	benar	sangat	keras	azab	mereka	bagi	Allah	(Dia)	menyediakan	14	(mereka)	mengetahui	mereka	sedangkan
--------	--------	-----	------	-------	--------	-------	--------	-------	------	--------	------	-------	-------	-------------	----	----------	------------	--------	-----------

يَعْمَلُونَ ﴿١٥﴾ اتَّخَذُوا أَيْمَانَ هُمْ جُنَّةً وَ صَدُّوا عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ وَ لَا هُمْ

mereka	bagi	maka	Allah	jalan	dari	(mereka)	menghalangi	lalu	perisai	mereka	sumpah-sumpah	(mereka)	menjadikan	15	(mereka)	kerjakan
--------	------	------	-------	-------	------	----------	-------------	------	---------	--------	---------------	----------	------------	----	----------	----------

عَذَابٌ مُّهِينٌ ﴿١٦﴾ لَّنْ تُغْنِي عَنْهُمْ أَمْوَالُهُمْ وَ لَا أَوْلَادُهُمْ مِنَ اللَّهِ

Allah	dari	mereka	anak-anak	tidak	dan	mereka	harta-harta	mereka	dari	(dia)	berguna	tidak	16	hina	azab/siksa
-------	------	--------	-----------	-------	-----	--------	-------------	--------	------	-------	---------	-------	----	------	------------

شَيْئًا ؕ أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ ؕ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿١٧﴾ يَوْمَ يَبْعَثُ هُمْ

mereka	(dia)	membangkitkan	hari	17	orang-orang	yang	kekal	nya	di	dalam	mereka	neraka	penghuni	(mereka)	itulah	sesuatu
--------	-------	---------------	------	----	-------------	------	-------	-----	----	-------	--------	--------	----------	----------	--------	---------

اللَّهُ جَمِيعًا ؕ يَخْلِفُونَ لَ هُوَ كَمَا يَخْلِفُونَ لَ كُمْ وَ يَحْسَبُونَ أَنَّهُمْ

mereka	bahwa	(mereka)	mengira	dan	kalian	kepada	(mereka)	bersumpah	apa	seperti	Nya	kepada	(mereka)	bersumpah	maka	semuanya	Allah
--------	-------	----------	---------	-----	--------	--------	----------	-----------	-----	---------	-----	--------	----------	-----------	------	----------	-------

عَلَى شَيْءٍ ؕ أَلَا إِنَّهُمْ هُمُ الْكَذِبُونَ ﴿١٨﴾ أَسْتَحْوَذَ عَلَيْهِمُ الشَّيْطَانُ

syaitan	mereka	atas	(dia)	menguasai	18	orang-orang	yang	pendusta	mereka	mereka	benar	ketahuilah	sesuatu	atas
---------	--------	------	-------	-----------	----	-------------	------	----------	--------	--------	-------	------------	---------	------

وَ أَنَسَدَ هُمْ ذِكْرَ اللَّهِ ؕ أُولَٰئِكَ حِزْبُ الشَّيْطَانِ ؕ أَلَا إِنَّ حِزْبَ الشَّيْطَانِ

syaitan	golongan	sesungguhnya	ketahuilah	syaitan	golongan	(mereka)	itulah	Allah	ingat	mereka	(dia)	menjadikan	lupa	maka
---------	----------	--------------	------------	---------	----------	----------	--------	-------	-------	--------	-------	------------	------	------

هُمْ الْخَاسِرُونَ ﴿١٩﴾ إِنَّ الَّذِينَ يُحَادُّونَ اللَّهَ وَ رَسُولَهُ ؕ أُولَٰئِكَ فِي الْأَذَلِّينَ ﴿٢٠﴾

20	orang-orang	yang	hina	di	dalam	(mereka)	itulah	Nya	utusan	dan	Allah	(mereka)	menentang	orang-orang	yang	sesungguhnya	19	orang-orang	yang	lemah /rugi	mereka
----	-------------	------	------	----	-------	----------	--------	-----	--------	-----	-------	----------	-----------	-------------	------	--------------	----	-------------	------	-------------	--------

كَتَبَ اللَّهُ لَأَغْلِبَنَّ أَنَا وَ رُسُلِي ؕ إِنَّ اللَّهَ قَوِيٌّ عَزِيزٌ ﴿٢١﴾

21	Maha	Perkasa	Maha	Kuat	Allah	sesungguhnya	Ku	utusan-utusan	dan	Aku	(Aku)	mengalahkan	pasti	Allah	(dia)	menulis/menetapkan
----	------	---------	------	------	-------	--------------	----	---------------	-----	-----	-------	-------------	-------	-------	-------	--------------------